

## भारत-अमेरिका वच्ये द्विपक्षीय वेपार

**Vaghela Divyrajsinh B, Dr. Ranjana Dholakiya**

Research Scholar, Reg. No.10064  
Gujarat University, Ahmedabad

Guide, Associate Professor,  
Department of Political Science,  
Gujarat University, Navarangpura,  
Ahmedabad-9.

### प्रस्तावना

अंग्रेजो विद्वान जेरेमी बेन्थम १८मी सदीमां 'आंतरराष्ट्रीय' शब्दो सौप्रथम उपयोग कर्यो हतो. जोके आ शब्दना लेटिन समानार्थी शब्द 'Inter Gents'नो उपयोग रिचर्ड जूश द्वारा तेनी एक सदी पहला करवामां आव्यो हतो. ते बनेये आ शब्दो नो उपयोग ये संदर्भे कर्यो हतो जे पाछणथी आंतरराष्ट्रीय कायदा (INTERNATIONAL LAW) तरीके ओणभायो. आजे तमाम राष्ट्रो परस्पर निर्भर बनी गया छे. राजकीय अने आर्थिक संबंधो तेमनी वच्ये ज्ञानना विशेष क्षेत्र तरीके उभरी आव्या छे.

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय आर्थिक संबंधने समजता पहला आंतरराष्ट्रीय संबंधो कोने कहेवाय ते समजवा प्रयत्न करीये. अब्यासना विषय तरीके, 'आंतरराष्ट्रीय संबंधो' सार्वभौम राष्ट्रो वच्येना संबंधोनुं विश्लेषण करे छे. घणा लोको येजुं विचारता हशे के देशो वच्येना संबंधो तेमना वडा प्रधान, विदेश मंत्री, विदेश मंत्रालयना अधिकारीओ अने राजद्वारीओ द्वारा नियंत्रित अने संयालित थाय छे. आ वात आंशिक रीते ज सायी छे. आंतरराष्ट्रीय संबंधोनुं क्षेत्र मात्र राजकीय नथी. आजे आंतरराष्ट्रीय वेपार, बहुराष्ट्रीय निगमोनी भूमिका जेवी के, आर्थिक प्रवृत्तियो, आतंकवादी प्रवृत्तियो अने पर्यावरणनी असर जेवा घणा मुद्दाओ आंतरराष्ट्रीय संबंधोना अब्यास हेठण आवे छे. ये तथ्य हवे सर्वमान्य छे के आंतरराष्ट्रीय संबंधोनुं केन्द्रबिंदु सार्वभौम राज्यो वच्ये तमाम प्रकारना जेवाके राजकीय, राजद्वारी, वाणिज्यिक अने शैक्षणिक संबंधो छे. आ तमाम आंतरराष्ट्रीय संबंधोना अब्यास क्षेत्रमां विविध जूथोना अब्यासना समावेश थाय छे. तेमां राष्ट्रो, राज्यो, सरकारो, संघियो, समजूतीओ, संघो अने आंतरराष्ट्रीय संगठनो वगैरेनो समावेश थाय छे. आंतरराष्ट्रीय संबंधोमां ते बधानी कोर्छे कोर्छे भूमिका छे.

### भारत-अमेरिका संबंध

भारत अने अमेरिका तरङ्ग द्रष्टि करतां जणाय छे के बने देशो वर्तमान विश्व-व्यवस्थाना महत्वपूर्ण अंगो छे. बने देशो वच्ये कटलीक समानताओ छे तो कटलाक तझवतो. आ बने देशोमां लोकशाही शासन ये सौथी मोटी विशेषता छे. लते शासननी व्यवस्थांमां आ बने वच्ये भूणभूत मतलेहो होय, परंतु आपरे ते बने कायदाना शासन पर आधारित छे. युनाइटेड स्टेट्स ये विश्वनी सौथी जूनी लोकशाही छे तो भारत विश्वनुं सौथी विशाण लोकतंत्र धरावे छे. बने देशो पोतपोतानी आगवी भौगोलिक, ऐतिहासिक, राजकीय लाक्षणिकताओ धरावे छे. भौगोलिक स्थिति पण विदेश नीति अने आंतरराष्ट्रीय संबंधो नङ्की करवा माटेनुं मुभ्य परिबण छे. भारत अने अमेरिका वच्येना संबंधोनी अब्यास करतां जणाय छे के ते नव-वास्तववादी परिप्रेक्ष्यथी प्रभावित छे. आ अंतर्गत भारत अने अमेरिका येकबीजा साथे पोताना संबंधोने मजबूत करवानी साथे साथे पोताना राष्ट्र हितने पण प्राथमिकता आपी रखा छे. बने देशो वच्ये लांबा समय सुधी तणाव चालतो रह्यो हतो. परंतु शीत युद्ध बाद आंतरराष्ट्रीय व्यवस्थांमां परिवर्तन आव्युं अने २१मी सदीनी शुरुआतमां वैचारिक मतलेहो होवा छतां भारत अने अमेरिका वच्ये गाढ संबंधोनी स्थापनानी शुरु थछ. अमेरिका

शक्तिशाही देश होवानी साथे ते अेक वास्तववादी देश पण छे. ते हंमेशा पोताना उेदशुयने पूरा करवा माटे प्रयत्नशील रहे छे अने अमेरिका पोताना राष्ट्रीय हितोने पूर्ण करवा माटे कोछ पण निर्णय लछ शके छे. आम पण, अमेरिका विशे कायमी लविष्यवाणी करवी अे अेटलुं सहेलुं काम नथी. आथी, बंने देशोना संबंघोमां सहकार अने तणाव बंने जोवा मणे छे.

## भारत-अमेरिका वच्ये द्विपक्षीय वेपार

आपणे वैश्विकरणना युगमां जूवीअे छीअे, ज्यां विश्वना विविध राष्ट्रो चीजवस्तुओ अने सेवाओनो वेपार करे छे. तेथी आ समयमां आंतरराष्ट्रीय वेपार अने आंतरराष्ट्रीय वेपार करारो(IITA)नो विकास गतिमां जोवा मणी रह्यो छे. जेम जेम वैश्विक वेपारमां वृद्धि थछ छे, तेम तेम विविध देशोनी अर्थव्यवस्थाओ निकास अने सारा आंतरराष्ट्रीय संबंघो पर निर्भर थछ गछ छे अने घणी सप्लाय चेछन 'झाछनल प्रोडक्ट' शिपिंग माटे तैयार थाय ते पहेलां ज विविध देशोना काया माल पर पण आधार राणे छे. केटलीक सौथी मोटी अने सौथी सङ्ग वैश्विक कंपनीओ विश्वभरमां पुरवठा अने मांगना विविध प्रवाहोने समज्णे अेक मजबूत ग्राहक वर्ग बनाववामां सङ्ग रही छे. जो के, आंतरराष्ट्रीय वेपारमां छेवला केटलाक वर्षोमां विविध पडकारो जोवा मल्या छे, जेमां कोरोना वायरस जेवी महामारी, चीन अने अमेरिका वच्ये राजकीय तणाव, ब्रेकिंगेट, युकेनमां युद्ध अने काया माल पर आबोहवा संकटनी असरनो समावेश थाय छे.

'आंतरराष्ट्रीय वेपार' महत्वपूर्ण छे कारण के देशो अेवा मालनी आयात माटे अन्य देशो पर आधार राणे छे जे स्थानिक स्तरे सरणताथी मणी शकता नथी. जो कोछ देश योक्कस उत्पादननी निकासमां निष्णात होय तो तेनुं कारण अेजुं होय शके के तेना पोताना बजारोमां ते उत्पादनोमां वपराता काया मालनो पुरवठो मांग करता वधु होय अथवा तेयोक्कस उत्पादनमां तेमनी निपुणता होछ शके छे. सरण शब्दोमां आंतरराष्ट्रीय वेपार द्वारा वैश्विक बजारनुं निर्माण थाय छे, आ बजार पर विश्वनी अर्थव्यवस्था निर्भर छे.

भारत-अमेरिका वच्ये द्विपक्षीय वेपारनो अभ्यास करीअे तो ताजेतर प्राप्त माहिती मुजब नाणाकीय वर्ष २०२३मां बंने देश वच्येनो द्विपक्षीय वेपार रेकोर्ड १२८.७८ अबज अमेरिकन डोलर रह्यो हतो, जे नाणाकीय वर्ष २०२२मां ११८.४८ अबज अमेरिकन डोलर हतो. नाणाकीय वर्ष २०२३मां भारतनो अमेरिका साथे वेपार २८.३० अबज अमेरिकन डोलर अधिशेष(सरप्लस) हतो. नाणाकीय वर्ष २०२३मां कुल वेपारमांथी, यु.अेस.मां भारतीय निकास ७८.५४ अबज अमेरिकन डोलर रही हती, ज्यारे भारतमां अमेरिकन निकास ५०.२४ अबज अमेरिकन डोलर रही हती. अमेरिका अप्रिल, २०००थी सप्टेम्बर २०२३ सुधीमां ६२.२४ अबज अमेरिकन डोलरनां संचित अेड.डी.आछ. प्रवाह साथे भारतनो त्रीजो सौथी मोटो रोकाणकार देश छे. भारत-अमेरिका वच्ये द्विपक्षीय वेपारमां आदान-प्रदान अेटले भारतथी अमेरिका निकास अने भारत द्वारा अमेरिकाथी आयातने थोडुं विगते समज्जे.

## भारतथी अमेरिका निकास

भारते नाणाकीय वर्ष २०२३मां अमेरिकामां ७,७५३ चीजवस्तुओनी निकास करी हती. अमेरिकामां भारतनी निकास नाणाकीय वर्ष २०२२मां ७६.१७ अबज अमेरिकन डोलरनी हती जे वधीने नाणाकीय वर्ष २०२३मां ७८.५४ अबज डोलर थछ गछ छे. भारतमांथी अमेरिकामां निकास करवामां आवती मुभ्य चीजवस्तुओमां मोती अने हीरा जेवा किंमती रत्नो (८.२० अबज अमेरिकन डोलर)नो समावेश थाय छे. त्पारबाद नाणाकीय वर्ष २०२३मां दवा अने झार्मास्युटिकल्स उत्पादनो (६.७७ अबज अमेरिकन डोलर), पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स (६.०३ अबज अमेरिकन डोलर), सोनुं अने अन्य किंमती धातुनी ज्वेलरी (३.३२ अबज डोलर) अने आरअेमज्ज कोटन सहित अेसेसरीज (३.१२ अबज अमेरिकन डोलर) जेवी वस्तुओ सामेल छे. अप्रिलथी नवेम्बर २०२३ दरमियान अमेरिकाने भारतनी निकास ५०.३४ अबज अमेरिकन डोलर रही हती. आ समय दरमियान भारतमांथी अमेरिकामां निकास थती मुभ्य चीजवस्तुओमां अेन्जिनियरिंग गूड्ज (११.४६ अबज अमेरिकन डोलर), रत्नो अने ज्वेलरी (६.८६ अबज अमेरिकन डोलर), छलेक्ट्रोनिक गूड्ज (५.८ अबज अमेरिकन डोलर), दवा अने झार्मास्युटिकल्स

उत्पादनो (प.प३ अबज अमेरिकन डोलर), पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स (४.२८ अबज अमेरिकन डोलर) वगैरेनो समावेश थाय छे.

### भारत द्वारा अमेरिकाथी आयात

भारते नाणाकीय वर्ष २०२३मां अमेरिकाथी ५,२०५ वस्तीओनी आयात करी हती. नाणाकीय वर्ष २०२२मां अमेरिकाथी भारतमां आयात ४३.३१ अबज अमेरिकन डोलर हती जे नाणाकीय वर्ष २०२३मां वधीने ५०.२४ अबज अमेरिकन डोलर थछे. अमेरिकाथी भारतनी आयातमां पनिय छंघण (इड) (१०.१८ अबज अमेरिकन डोलर)नो समावेश थाय छे. त्पार बाए मोती अने किंमती रत्नो (प.३८ अबज अमेरिकन डोलर), कोलसो, पनीज वगैरे (३.७५ अबज अमेरिकन डोलर), पेट्रोलियम पेदाशो (३.१८ अबज अमेरिकन डोलर) अने सोनुं (१.८८ अबज अमेरिकन डोलर) सहित वस्तुओ नाणाकीय वर्ष २०२३मां स्थान धरावे छे. अप्रिलथी नवेम्बर २०२३ दरमियान अमेरिकाथी भारतमां आयात २८.८५ अबज अमेरिकन डोलर रही हती. आ समय दरमियान अमेरिकाथी भारतनी आयातमां पनिय छंघण (इड) (८.५५ अबज अमेरिकन डोलर), मोती अने किंमती रत्नो (३.८ अबज अमेरिकन डोलर), न्युक्लियर रियेक्टर्स अने बोधलर्स (२.४५ अबज अमेरिकन डोलर), एलेक्ट्रिकल मशीनरी अने पार्ट्स (१.५७ अबज अमेरिकन डोलर), ओप्टिकल अने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (१.२८ अबज अमेरिकन डोलर) वगैरेनो समावेश थाय छे.

### उपसंहार

प्रस्तुत आर्टिकलमां आंतरराष्ट्रीय संबन्धनो अर्थ, भारत-अमेरिका संबन्ध अने भारत-अमेरिका वच्ये ताज्जेतरना द्विपक्षीय वेपार जेमां भारतथी अमेरिका निकास तथा भारत द्वारा अमेरिकाथी आयातने समञ्ज्या बाए सार रज्ज करीये तो, अमेरिका भारतमां त्रीजो सौथी मोटो रोकाणकार देश छे, जेमां अप्रिल, २०००थी सप्टेम्बर, २०२३ सुधीमां कुल अेइडीआएँनो इलो ५२.२४ अबज अमेरिकन डोलर छे. २०२३मां, भारतमां अमेरिकन दूतावास अने कोन्सुलेटसे रेकोर्ड तोडनारा १४ लाख यु.एस. विजानी प्रक्रिया करी हती. तमाम प्रकारना विजामां मांग अबतपूर्व हती. २०२२नी तुलनामां विजानी अरञ्ज्योमां ५० टकानो वधारो थयो हतो. अमेरिका उच्य शिक्षण माटे भारतीय विद्यार्थीओनुं मनपसंद स्थलमानुं अेक छे. सप्टेम्बर २०२३ सुधीमां लगभग ३,२०,२५० भारतीय विद्यार्थीओ छे जेमांथी मोटा भागना स्नातक/मास्टर्समां छे. अमेरिका स्टेट डिपार्टमेन्टनी वेबसाईट अनुसार अमेरिकामां भारतीय 'STEM' डिग्री प्रोग्रामना विद्यार्थीओ अमेरिकी अर्थव्यवस्थांमां वार्षिक लगभग ७.७ अबज अमेरिकी डोलरनुं योगदान आपे छे. घण्टी अमेरिकन कंपनीओ भारतने अेक निर्णायक बजार तरीके ज्जुये छे अने भारतमां तेमने पोतानी कामगीरीने विस्तृत करी रही छे. घण्टी भारतीय कंपनीओ अमेरिकामां रोकाण करी मूल्यमां वधारो करी रही छे. सी.आर्.आर्. द्वारा अप्रिल २०२३मां बहार पाडवामां आवेल अेक स्टडि मुजब, १५३ भारतीय कंपनीओअे अमेरिकामां ४० अबज डोलरथी वधुनुं रोकाण कर्तुं हतुं अने ४,२५,०००थी वधु सीधी नोकरीओनुं सर्जन कर्तुं हतुं. भारत अने अमेरिका वच्ये ञडपथी विस्तृत थछं रहेल वेपार अने वाणिज्यिक ज्जोडाणो बंने देशो वच्ये बहुआयामी भागीदारीनो महत्वपूर्ण घटक छे. भारत अने अमेरिका वच्ये कुल द्विपक्षीय वेपार (वस्तुओ अने सेवाओ) वर्ष २०००मां २० अबज अमेरिकन डोलर हतो जे वधीने वर्ष २०१८मां १४२ अबज अमेरिकन डोलर साथे ११.५ टकानां सी.ए.ए.आर. पर पहुँच्यो हतो. अेकाँदरे अमेरिका-भारत वच्येनो द्विपक्षीय वेपार (वस्तुओ अने सेवाओ) वर्ष २०२१मां रेकोर्ड १५.७ अबज अमेरिकन डोलरने आंबी गयो हतो. बंने देशो वच्ये वधी रहेला आर्थिक संबन्धने कारणे अमेरिका २०२२-२३मां भारतना सौथी मोटा वेपारी भागीदार तरीके उभरी आव्युं हतुं. वाणिज्य मंत्रालयना कामचलाउ डेटा अनुसार, भारत अने अमेरिका वच्ये द्विपक्षीय वेपार २०२२-२३मां ७.५५ टका वधीने १२८.५५ अमेरिकन डोलर थयो छे, जे २०२१-२२मां ११८.४८ अबज अमेरिकन डोलर हतो. "भारत-अमेरिका वेपार तेना वर्तमान वेपारनी तुलनामां २०२५-२७मां ३०० अबज डोलरने स्पर्शो तेवी संभावना छे." तेम उद्योग संगठन 'पीएचडी चेंबर ओइ इंडस्ट्री' (PHDCCI) द्वारा रज्ज करवामां आवेल अेक अहेवालमां जणावायुं हतुं.

<https://www.gapbhasha.org/>

## संदर्भसूचि

1. शिवम पाल, आंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध, वंदना पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, २०१२.
2. आर. एस. यादव, भारत की विदेश नीति, डॉलिंग किन्डरस्ले (इंडिया) प्रा. लि., २०१३.
3. वार्षिक रिपोर्ट २०२३-२४, विदेश मंत्रालय भारत सरकार
4. गुजराती समाचार पत्रो- टिव्यभास्कर, संदेश, गुजरात समाचार
5. <https://data.worldbank.org/indicator/NE.EXP.GNFS.CD?locations=IN&skipRedirection=true>
6. <https://data.worldbank.org/indicator/NE.IMP.GNFS.CD?locations=IN&skipRedirection=true>
7. <https://data.worldbank.org/indicator/BX.TRF.PWKR.CD.DT?locations=IN&skipRedirection=true>